करियर शीट · CAREER SHEET

# Sports Medicine Physician

स्पोर्ट्स मेडिसिन फिज़िशियन एक चिकित्सा विशेषज्ञ होता है जो खिलाड़ियों और शारीरिक रूप से सक्रिय लोगों की चोटों का इलाज, रोकथाम और प्रदर्शन सुधार पर काम करता है। वह मोच, मांसपेशी व लिगामेंट की चोट, स्ट्रेस फ्रैक्चर, थकान और...

## इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/sports-medicine-physician

## राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

स्पोर्ट्स मेडिसिन फिज़िशियन एक चिकित्सा विशेषज्ञ होता है जो खिलाड़ियों और शारीरिक रूप से सक्रिय लोगों की चोटों का इलाज, रोकथाम और प्रदर्शन सुधार पर काम करता है। वह मोच, मांसपेशी व लिगामेंट की चोट, स्ट्रेस फ्रैक्चर, थकान और ओवरट्रेनिंग जैसी समस्याओं का निदान करता है, खेल में सुरक्षित वापसी (रिटर्न-टू-प्ले) का फ़ैसला लेता है, फिटनेस व पुनर्वास की योजना बनाता है, और डोपिंग-रोधी नियमों का पालन सुनिश्चित करता है। इसके लिए पहले एमबीबीएस, फिर स्पोर्ट्स मेडिसिन में एमडी या डिप्लोमा करना पड़ता है। भारत में क्रिकेट, ओलंपिक खेलों, आईपीएल और राष्ट्रीय अकादमियों के बढ़ते निवेश के साथ यह एक तेज़ी से उभरता और सम्मानित करियर है।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | एमबीबीएस + स्पोर्ट्स मेडिसिन में एमडी/डिप्लोमा |
| कोर्स अवधि | एमबीबीएस 5.5 वर्ष + पीजी 2–3 वर्ष |
| आरंभिक वेतन | ₹50,000–90,000/माह |
| कार्य-शैली | अस्पताल/खेल टीम/अकादमी में पूर्णकालिक |

## 3 क्या-क्या चाहिए

### रुचियाँ

- खेल, फिटनेस और मानव शरीर की कार्यप्रणाली में गहरी रुचि
- विज्ञान, चिकित्सा और नई शोध-तकनीकों को सीखने का उत्साह
- लोगों की मदद करना और चोट से उबरने में साथ देना

### क्षमताएँ

- तेज़ निर्णय-क्षमता और दबाव में शांत रहना
- अच्छा संवाद और खिलाड़ियों-कोच के साथ सहानुभूति
- सूक्ष्म निरीक्षण और नैदानिक (डायग्नोस्टिक) तर्क

### ज़रूरी कौशल

- खेल-चोटों का निदान और तत्काल फील्ड-साइड उपचार
- पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) और रिटर्न-टू-प्ले योजना बनाना
- मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड व इमेजिंग की व्याख्या
- चोट-रोकथाम, फिटनेस स्क्रीनिंग और लोड मैनेजमेंट

- डोपिंग-रोधी नियमों और खेल-चिकित्सा नैतिकता का ज्ञान
- आपातकालीन चिकित्सा और कार्डियक/कन्कशन प्रबंधन
- फिज़ियोथेरेपिस्ट, न्यूट्रिशनिस्ट और मनोवैज्ञानिक के साथ टीमवर्क

## 4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 11–12 में विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान) लें और नीट यूजी की तैयारी करें।
2. नीट यूजी पास करके किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज (जैसे एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर) से एमबीबीएस पूरा करें।
3. एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप पूरी करें और चिकित्सक के रूप में पंजीकरण कराएँ।
4. नीट पीजी पास करके स्पोर्ट्स मेडिसिन में एमडी या डिप्लोमा (एसवीएनआईआरटीएआर, एनएसएनआईएस पटियाला आदि) करें।
5. साई केंद्र, अस्पताल या खेल टीम के साथ अनुभव लें और फेलोशिप/उप-विशेषज्ञता की ओर बढ़ें।

### प्रमुख परीक्षाएँ

- नीट यूजी (एमबीबीएस में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा)
- नीट पीजी (एमडी/डिप्लोमा स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रवेश के लिए)

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- एसएमएस मेडिकल कॉलेज (MBBS/PG) — जयपुर, राजस्थान (https://www.careers360.com/colleges/sawai-man-singh-medical-college-jaipur)
- राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (RUHS) — जयपुर, राजस्थान (https://www.ruhsraj.org/)
- स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास संस्थान (SVNIRTAR) – MD/PG स्पोर्ट्स एवं रिहैब मेडिसिन — कटक, ओडिशा (https://www.svnirtar.nic.in/)
- नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (NSNIS) – PG डिप्लोमा स्पोर्ट्स मेडिसिन — पटियाला, पंजाब (https://nsnis.org/academic-courses/post-graduate-diploma-in-sports-medicine/)
- वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल – MD स्पोर्ट्स मेडिसिन — नई दिल्ली (https://www.vmmc-sjh.nic.in/)

### निजी संस्थान

- MD स्पोर्ट्स मेडिसिन कॉलेजों की सूची (Careers360) — अखिल भारतीय (https://medicine.careers360.com/colleges/list-of-md-in-sports-medicine-colleges-in-india)
- Indian Scientific Skill Development (ISST) – स्पोर्ट्स मेडिसिन कोर्स — पुणे, महाराष्ट्र (https://www.isst.co.in/2025/10/23/sports-medicine-career-your-ultimate-guide/)

#### ऑनलाइन

- मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) – नीट यूजी/पीजी काउंसलिंग — ऑनलाइन (https://mcc.nic.in/)
- राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) — ऑनलाइन (https://www.nmc.org.in/)

#### फ़ीस

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की फीस लगभग ₹15,000–60,000 प्रति वर्ष होती है, जबकि निजी कॉलेजों में यह ₹8–25 लाख प्रति वर्ष तक जा सकती है। स्पोर्ट्स मेडिसिन में एमडी/डिप्लोमा की सरकारी संस्थानों में फीस अपेक्षाकृत कम (कुछ हज़ार से कुछ लाख रुपये) रहती है; एसवीएनआईआरटीएआर व एनएसएनआईएस जैसे संस्थान किफ़ायती हैं।

#### छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- SJE Rajasthan – Chief Minister Higher Education Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- Buddy4Study – Medical/MBBS Scholarships (https://www.buddy4study.com/scholarships/medical-scholarships)

## 6 काम कैसा होता है

#### कहाँ काम

बड़े अस्पताल और स्पोर्ट्स मेडिसिन क्लिनिक, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्र, राष्ट्रीय खेल टीमें, आईपीएल व क्रिकेट फ्रैंचाइज़ी, खेल अकादमियां और मैदान/स्टेडियम।

#### कार्य-संस्कृति

काम का समय अनियमित हो सकता है — मैच, टूर्नामेंट और यात्रा के दौरान शाम, सप्ताहांत और आपातकालीन ड्यूटी आम है। यह तेज़ रफ़्तार, टीम-आधारित और उच्च-दबाव वाला वातावरण होता है जहाँ फिज़ियोथेरेपिस्ट, कोच व न्यूट्रिशनिस्ट के साथ मिलकर काम करना पड़ता है।

#### कौन नौकरी देता है

- भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और राष्ट्रीय खेल संस्थान
- राष्ट्रीय खेल टीमें (क्रिकेट, हॉकी, फ़ुटबॉल, ओलंपिक दल)
- खेल अकादमियां और उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्र
- बड़े मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल और स्पोर्ट्स मेडिसिन क्लिनिक
- आईपीएल व अन्य लीग फ्रैंचाइज़ी
- विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और खेल-विज्ञान संस्थान (शिक्षण/शोध)

**माँग (2026)**

भारत में खेलों को मिल रहे बढ़ते निवेश, ओलंपिक व आईपीएल की सफलता और आम लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता के कारण योग्य स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञों की माँग तेज़ी से बढ़ रही है। देश में इस विषय के प्रशिक्षित डॉक्टर अभी बहुत कम हैं, इसलिए साई केंद्रों, अस्पतालों और खेल टीमों में अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. एमबीबीएस डॉक्टर (इंटर्नशिप के बाद)
2. स्पोर्ट्स मेडिसिन में एमडी/डिप्लोमा – जूनियर स्पोर्ट्स फिज़िशियन
3. टीम/अकादमी स्पोर्ट्स मेडिसिन फिज़िशियन
4. वरिष्ठ कंसल्टेंट / मुख्य चिकित्सा अधिकारी (राष्ट्रीय टीम)

**कमाई**

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹50,000–90,000/माह |
| मध्य स्तर | ₹1,00,000–2,00,000/माह |
| वरिष्ठ स्तर | ₹2,50,000–5,00,000+/माह |

आँकड़ों के अनुसार भारत में स्पोर्ट्स फिज़िशियन का शुरुआती वेतन लगभग ₹8–12 लाख प्रति वर्ष (~₹65,000–1,00,000/माह) होता है, और राष्ट्रीय टीमों के वरिष्ठ कंसल्टेंट अक्सर ₹30 लाख प्रति वर्ष से अधिक कमाते हैं। निजी प्रैक्टिस, आईपीएल फ्रैंचाइज़ी और विदेश के अवसरों से आय काफ़ी बढ़ सकती है।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- खेल और चिकित्सा दोनों के प्रति जुनून को जोड़ने वाला सम्मानित करियर
- तेज़ी से बढ़ता क्षेत्र जहाँ प्रशिक्षित विशेषज्ञ कम और अवसर अधिक हैं
- एलीट खिलाड़ियों व टीमों के साथ काम करने और यात्रा का मौका

**चुनौतियाँ**

- लंबा और महँगा शैक्षिक रास्ता (एमबीबीएस + पीजी + अनुभव)
- अनियमित समय, यात्रा और मैच-दिनों का उच्च दबाव
- भारत में सीमित पीजी सीटें और तीव्र प्रतिस्पर्धा

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**Dr. Dinshaw Pardiwala**
**मुख्य चिकित्सा अधिकारी, भारतीय ओलंपिक दल (पेरिस 2024) एवं स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ**

मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में कार्यरत डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भारत के जाने-माने स्पोर्ट्स मेडिसिन एवं आर्थ्रोस्कोपी विशेषज्ञ हैं। पेरिस 2024 ओलंपिक में उन्होंने भारतीय दल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में 120 से अधिक एथलीटों की देखभाल की और खेल गाँव में 24 घंटे की रिकवरी व पुनर्वास सुविधा का नेतृत्व किया। उन्होंने ऋषभ पंत, पीवी सिंधु, साइना नेहवाल सहित कई शीर्ष खिलाड़ियों का इलाज किया है। उनकी कहानी दिखाती है कि एमबीबीएस के बाद खेल-चिकित्सा में विशेषज्ञता लेकर एक डॉक्टर देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों के करियर बचाने और राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा बनने तक पहुँच सकता है।

National Herald · https://www.nationalheraldindia.com/sports/paris-olympics-meet-dr-pardiwala-the-celeb-surgeon-in-charge-of-indian-contingent

**Dr. Harini Muralidharan**
**स्पोर्ट्स मेडिसिन फिज़िशियन एवं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टीम डॉक्टर**

चेन्नई की डॉ. हरिनी मुरलीधरन एक स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ हैं जिन्होंने लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से स्पोर्ट्स मेडिसिन में मास्टर्स किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की महिला टीम के साथ तीन वर्ष काम करने के बाद उन्हें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टीम डॉक्टर बनाया गया, और वे 2025 के महिला वनडे विश्व कप की ऐतिहासिक जीत में मेडिकल सपोर्ट टीम का हिस्सा रहीं। चोट प्रबंधन, इमेजिंग-अल्ट्रासाउंड, डोपिंग-रोधी निगरानी और खिलाड़ियों की देखभाल में उनकी भूमिका किसी 'फैमिली डॉक्टर' जैसी रही। उनकी यात्रा उन लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो चिकित्सा और खेल दोनों में करियर बनाना चाहती हैं।

ThePrint · https://theprint.in/sport/unexpected-call-up-to-world-cup-glory-harini-muralidharans-journey-as-womens-cricket-team-doctor/2783365/

## 10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- खेल प्रशिक्षक
- खेल मनोवैज्ञानिक
- खेल उपकरण प्रबंधक

## 11 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** राजस्थान करियर गाइडेंस – स्पोर्ट्स मेडिसिन — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%aa%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9f%e0%a5%8d%e0%a4%b8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%a8/

**2.** MD स्पोर्ट्स मेडिसिन कॉलेज सूची – Careers360 — https://medicine.careers360.com/colleges/list-of-md-in-sports-medicine-colleges-in-india

**3.** PG डिप्लोमा स्पोर्ट्स मेडिसिन – NSNIS पटियाला — https://nsnis.org/academic-courses/post-graduate-diploma-in-sports-medicine/

**4.** स्पोर्ट्स मेडिसिन करियर गाइड 2026 – ISST (वेतन) — https://www.isst.co.in/2025/10/23/sports-medicine-career-your-ultimate-guide/

**5.** भारत के शीर्ष एथलीटों का इलाज – Forbes India — https://www.forbesindia.com/article/lifes/how-sports-medicine-experts-fix-indias-top-athletes/93770/1

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

**career.gsssjethantri.in**